सफलता की कहानी

दुग्ध समिति से हुआ डहुआ गांव का विकास
किया रू. 93 लाख का व्यापार

मध्य प्रदेश में ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों के हित में गांव में ही दूध का बाजार उपलब्ध कराने तथा दुग्ध उत्पादन की नई तकनीकियों की जानकारी देने के लिये एम पी स्टेट को–आपरेटिव्ह डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) कार्यारत है । एमपीसीडीएफ से संबध्द भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित भोपाल के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत बैतूल जिले की मुलताई तहसील से 8 किलोमीटर दूर स्थित है ग्राम डहुआ । इस गांव में भोपाल दुग्ध संघ द्वारा मध्य प्रदेश राज्य शासन के सूखा उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्त पोषित एकीकृत डेयरी विकास परियोजना लागू की गई तथा वर्ष 1978 में डहुआ दुग्ध सहकारी समिति का गठन किया गया ।

वर्ष 1978 में समिति के गठन के समय इस गांव के कुल 59 सदस्यों ने दुग्ध व्यवसाय में रूचि दिखाते हुए समिति से रू. 10/–प्रति सदस्य के शयर खरीदे । दुग्ध समिति ने कुल 590 रू. की अंशपूजी से व्यापार शुरू किया । समिति ने अपने प्रारंभिक वर्ष में अपने सदस्यों से लगभग 150 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित करना शुरू किया तथा पूरे वर्ष में समिति ने अपने सदस्यों से कुल 57,698 रू. मूल्य का दूध खरीदा ।

गांव में ही दुग्ध उत्पादकों को दूध का उचित मूल्य तथा बाजार मिलने तथा नियमित आय होने से गांव अन्य लोग भी प्रोत्साहित हुये आज इस समिति के कुल 178 सदस्य है तथा दुग्ध समिति की अंशपूजी रू. 1,41,000 हो गई है । दुग्ध उत्पादकों की दुग्ध व्यवसाय में बढ़ती रूचि से डहुआ दुग्ध समिति ने वर्ष 2009–10 में लगभग 1650 ली. दूध प्रतिदिन संकलित किया तथा वर्ष भर में संस्था ने अपने 178 सदस्यों से रू. 92,84,675 मूल्य का दूध खरीदा ।

डहुआ गांव के लोगो द्वारा दुग्ध व्यवसाय में ली जानेवाली रूचि से आज शहरी क्षेत्र से लगभग 93 लाख रू का प्रवाह प्रतिवर्ष गांव में होने लगा है जो डहुआ गांव के विकास का आधार बनता जा रहा है ।

डहुआ दुग्ध समिति से प्रारंभिक वर्ष में सदस्यों व्दारा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिये 3,740 किलोग्राम संतुलित पशु आहार सुदाना खरीदा गया। यह खरीदी आज बढकर 3,66,250 किलोग्रम हो गई है । संस्था ने वर्ष 2009–10 में रू. 3,95,757 का शुद्ध लाभ कमाया है । दुग्ध समिति अपने प्रारंभिक वर्ष से ही दुग्ध उत्पादक सदस्यों को उनके द्वारा प्रदायित दूध के अनुपात में बोनस का वितरण कर रही है । वर्ष 2008–09 में दुग्ध समिति ने अपने सदस्यों को रू. 1,65,000 का बोनस वितरित किया है ।

दुग्ध समिति ने दुग्ध व्यवसाय से अर्जित लाभ से गांव के विकास में भी योगदान दिया है। गांव में ही समिति भवन का निर्माण करवाया है । दुग्ध उत्पादक सदस्यों से खरीदे गये दूध व भुगतान में पूर्ण पारदर्शिता लाते हुये स्वचालित दूध संकलन प्रणाली भी लगाई है । केन्द्रीय सरकार की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन योजना के अंतर्गत भोपाल दुग्ध संघ द्वारा इस समिति में 1000 ली. प्रति दिन प्रशीतन क्षमता के 2 बल्क मिल्क कूलर स्थापित किये है साथ ही दुग्ध संघ व्दारा समिति सदस्यों को अधिक दुग्ध उत्पादन हेतु उन्नत नस्ल के दुधारू पशु, कृत्रिम गर्भाधन व हरे चारे के उत्पादन के बारे में समय समय पर जानकारी व प्रशिक्षण दिया जाता है।

डहुआ समिति दुग्ध व्यवसाय के साथ साथ अपने सामाजिक दायित्व भी पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा रही है । समिति ने गांव के मुख्य मार्ग पर प्याऊ का निर्माण कर जन साधारण को निशुल्क पानी पिलाने की व्यवस्था की है तो दूसरी ओर पशुओं के पानी पीने के लिये भी हौद का निर्माण कराया है । गांव में होनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे रामलीला, रामायण का पाठन, भजन इत्यादि आयोजनों में दुग्ध समिति व्दारा सहयोग किया जाता है ।

इस प्रकार डहुआ गांव के लोगों व्दारा दुग्ध व्यवसाय को नियमित आय का स्त्रोत बनाते हुए अपने गांव की उन्नति में योगदान दिया जा रहा है।